Course Outcome - MA Sociology

सेमेस्टर प्रथम

प्रथम प्रश्न पत्र

सांस्कृतिक समाजशास्त्रीय सिद्धांत

1. इसके अध्ययन से छात्र समाजशास्त्रीय सिद्धांतों की जानकारी प्राप्त करने के साथ–साथ उनकी समस्याओं से भी भली–भांति परिचित होते हैं ।
2. समाजशास्त्र में कॉम्ट का योगदान कॉम्ट के प्रमुख सिद्धांत जैसे त्रिस्तरीय नियम, प्रत्यक्षवाद एवम् विज्ञानों के संस्तरण से छात्र परिचित होते हैं ।
3. मैक्सबेबर के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करने के साथ–साथ छात्र उनके प्रमुख सिद्धांत जैसे नौकरशाही, सत्ता की अवधारणा एवम् सामाजिक क्रिया के सिद्धांत का परिचय प्राप्त करते हैं ।
4. कालमार्क्स एवम् दुर्खीम का जीवन चरित्र, उनकी प्रमुख रचनाओं एवम् प्रमुख सिद्धांतों जिसमें कार्लमार्क्स का द्वन्दात्मक भौतिकवाद एवम् दुर्खीम के सामाजिक एकता तथा आत्महत्या के सिद्धांत से छात्र अवगत होते हैं ।

द्वितीय प्रश्न पत्र

सामाजिक अनुसंधान की विधियाँ

1. सामाजिक अनुसंधान का अर्थ, विशेषताएँ, उद्देश्य एवम् महत्व के साथ–साथ छात्र वैज्ञानिक पद्धति तथा उपकल्पना की जानकारी प्राप्त करते हैं ।
2. सर्वेक्षण का अर्थ, विशेषताएँ, उद्देश्य एवम् भारत में सामाजिक सर्वेक्षण की क्या उपयोगिता है, इसके बारे में छात्र भली–भांति अवगत होते हैं ।
3. सामाजिक अनुसंधान में निदर्शन, अवलोकन, साक्षात्कार अनुसूची, प्रश्नावली के बारे में छात्र जानकारी प्राप्त करते हैं ।
4. सामाजिक अनुसंधान में तथ्यों का वर्गीकरण, सारणीयन एवम् प्रतिवेदन लेखन को छात्र भली–भांति समझ पाने में सफल होते हैं ।

Sushila

सेमेस्टर प्रथम
तृतीय प्रश्न पत्र
ग्रामीण समाजशास्त्र

1. इसके अन्तर्गत छात्र ग्रामीण सामाजिक व्यवस्था, ग्रामीण सामाजिक संरचना, कृषक समाज एवम् लोक संस्कृति के बारे में छात्र जानकारी प्राप्त करते हैं ।
2. गांवों में नेतृत्व एवम् कृषि सम्बन्धी प्राचीन एवम् समकालीन अवधारणाओं से छात्र भली–भांति परिचित होते हैं ।
3. इसके अन्तर्गत छात्र वैश्वीकरण की प्रक्रिया, संस्कृतिकरण की प्रक्रिया से भली–भांति अवगत होते है ।

चतुर्थ प्रश्न पत्र
भारत में नगरीय समाज

1. नगरीय समाज की अवधारणा एवम् महत्व, नगरों का विकास एवम् नगरीय समुदाय के सम्बन्ध में छात्र जानकारी प्राप्त करते हैं ।
2. नगरीकरण का प्रभाव एवम् नगरीय संस्कृति से भी छात्र भली–भांति अवगत होते हैं ।
3. नगरों में सामाजिक स्तरीकरण, जाति प्रथा, परिवार के सम्बन्ध में छात्र जानकारी प्राप्त करते हैं ।
4. इसके अन्तर्गत छात्र नगरों की प्रमुख समस्याओं जैसे – मद्यपान, मादक द्रव्य व्यसन, वैश्यावृति, गन्दी बस्ती, भ्रष्टाचार एवम् साइबर अपराध से भी छात्र भली–भांति अवगत होते हैं ।

Sushila

द्वितीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र

आधुनिक समाजशास्त्रीय सिद्धांत

1. इसके अन्तर्गत छात्र आधुनिकता का अर्थ, विशेषताओं एवम् प्रभाव के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करते हैं ।
2. प्रकार्यवाद, पारसंस के संरचनात्मक प्रकार्यवाद एवम् सामाजिक व्यवस्था के सम्बन्ध में विचार एवम् मर्टन के नवप्रकार्यवाद से छात्र अवगत होते हैं ।
3. संघर्ष का सिद्धांत एवम् एल्फेड शूट्ज के प्रघटनात्मक सिद्धांत तथा गारफिंकल के नृजाति सिद्धांत से भी छात्र परिचित होते हैं ।
4. राधाकमल मुखर्जी के सामाजिक मूल्यों के बारे में विचार, एस.सी. घुरिये के जाति प्रथा के सम्बन्ध में भी छात्र जानकारी प्राप्त करते हैं ।

द्वितीय प्रश्न पत्र

सामाजिक शोध एवम् सांख्यीकि

1. इसके अन्तर्गत छात्र सांख्यीकि का अर्थ, विशेषताएँ, महत्व एवम् कठिनाईयों से अवगत होते हैं ।
2. समानान्तर माध्य, माध्यिका, बहुलक क्या है, इस सम्बन्ध में छात्र जानकारी प्राप्त करते हैं ।
3. चित्रों को बिन्दु द्वारा कैसे प्रदर्शित किया जाता है, ग्राफ द्वारा किस प्रकार प्रदर्शित किया जाता है, इस सम्बन्ध में छात्र जानकारी प्राप्त करते हैं ।
4. वर्तमान युग कम्प्यूटर का युग है । सामाजिक अनुसंधान में कम्प्यूटर की क्या उपयोगिता है, इस संबंध में भी छात्र जानकारी प्राप्त करते है ।

Sushila

तृतीय प्रश्न पत्र
ग्रामीण विकास एवम् परिवर्तन

1. इसके अन्तर्गत छात्र अर्थव्यवस्था, गांवों में होने वाले परिवर्तन एवम् ग्रामीण सामाजिक स्तरीकरण की व्यवस्था से परिचित होते हैं ।
2. ग्रामीण परिवार, जाति व्यवस्था, जाति पंचायत एवम् ग्रामीणों में शिक्षा का स्तर के सम्बन्ध में भी छात्र भली–भांति अवगत होते हैं ।
3. ग्रामीण परिवर्तन में औद्योगिकरण एवम् नगरीकरण की भूमिका, गांवों की प्रमुख समस्याओं जैसे – गरीबी, बेकारी, ऋणग्रस्तता, पलायन आदि के सम्बन्ध में छात्र जानकारी प्राप्त करते हैं ।
4. ग्रामीण विकास के लिए चलायी जा रही सरकारी योजनाएँ एवम् पंचायती राज व्यवस्था से भी छात्र अवगत होते हैं ।

चतुर्थ प्रश्न पत्र
नगरीय सामाजिक संरचना एवम् समस्यायें

1. इसके अन्तर्गत छात्र नगरीय सन्दर्भ में ईमाइल दुर्खीम, मैक्सबेबर एवम् कालमार्क्स के विचारों से अवगत होते हैं ।
2. जार्ज सिमेल, लुईसबर्थ एवम् रेडफील्ड जैसे प्रमुख समाजशास्त्रियों के नगर के सम्बन्ध में विचार एवम् ग्रामीण नगरीय सम्बन्ध के बारे में छात्र ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं ।
3. नगरों की प्रमुख समस्यायें जैसे – पलायन, गरीबी, बेरोजगारी एवम् पर्यावरण प्रदूषण के सम्बन्ध में छात्र जानकारी प्राप्त करते हैं ।
4. नगरीय प्रबंधन एवम् छत्तीसगढ़ नगर निगम से छात्र अवगत होते हैं ।

Sushila

तृतीय सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र

भारतीय समाज का परिप्रेक्ष्य

1. इसके अन्तर्गत छात्र वर्ण व्यवस्था, धर्म का महत्व, कर्म की अवधारणा, वर्ण व्यवस्था, अल्पसंख्यक तथा जनजाति के बारे में परिचय प्राप्त करते हैं ।
2. आधुनिकीकरण, पश्चिमीकरण, नगरीकरण, औद्योगिकरण, सामाजिक गतिशीलता एवम् धर्म निरपेक्षीकरण का भारतीय समाज पर प्रभाव एवम् परिवर्तन से छात्र अवगत होते हैं ।
3. भारतीय समाज में विविधता में एकता, भारतीय समाज को जोड़ने वाले प्रमुख तत्व, समूह, समुदाय, परिवार, नातेदारी से छात्र परिचित होते हैं ।
4. इसके अन्तर्गत छात्र परम्परा व आधुनिकता एवम् भारतीय समाज के वर्गीकरण की जानकारी प्राप्त करते हैं ।

द्वितीय प्रश्न पत्र

औद्योगिक समाजशास्त्र

1. इसके अन्तर्गत छात्र औद्योगिक समाजशास्त्र कर अर्थ, विशेषताएँ, महत्व एवम् औद्योगिक नियोजन का अर्थ उद्देश्य तथा विधियों से अवगत होते हैं ।
2. औद्योगिक क्रान्ति का अर्थ, विशेषताएँ, कारण, प्रभाव, औद्योगिक मनोबल एवम् औद्योगिक सम्बन्धों के बारे में छात्र परिचय प्राप्त करते हैं ।
3. औद्योगिक संगठन एवम् मानवीय संबंधों की विशेषताएँ, उद्देश्य तथा औद्योगिक एवम् मानवीय संबंधों में अन्तर की छात्र जानकारी प्राप्त करते हैं ।
4. औद्योगिक विवाद का अर्थ, विशेषताएँ, कारण, प्रभाव एवम् औद्योगिक सुलह से भी छात्र अवगत होते हैं ।

Sushila

तृतीय प्रश्न पत्र
जनांकिकीय रूपरेखा

1. इसके अन्तर्गत छात्र जनांकिकी का अर्थ, विषयवस्तु, क्षेत्र महत्व एवम् जनगणना का अर्थ, विशेषताएँ एवम् महत्व से भली–भांति परिचित होते हैं ।
2. भारत में जन्म दर, मृत्यु दर, जनसंख्या का घनत्व उनके कारणों एवम् परिणामों से भी छात्र अवगत होते हैं ।
3. जनसंख्या के प्रमुख सिद्धांत जैसे – माल्थस का जनसंख्या का सिद्धांत, जनसंख्या का प्राणिशास्त्रीय सिद्धांत एवम् अनुकूलतम जनसंख्या के सिद्धांत की भी छात्र जानकारी प्राप्त करते हैं ।
4. भारत में जनाधिक्य की समस्या, कारण एवम् परिणाम के सम्बन्ध में छात्र जानकारी प्राप्त करते हैं ।

चतुर्थ प्रश्न पत्र
अपराध शास्त्र

1. इसके अध्ययन से छात्र अपराध की सामाजिक एवम् कानूनी अवधारणा, अपराध के प्रकार एवम् कारणों से भली–भांति परिचित होते हैं ।
2. बाल अपराध, श्वेतपोश अपराध, संगठित अपराध, महिला अपराध, साइबर अपराध तथा भ्रष्टाचार के कारणों एवम् परिणामों से भी छात्र अवगत होते हैं ।
3. इसके अध्ययन से छात्र विभिन्न सामाजिक समस्याओं जैसे – मद्यपान, मादक द्रव्यव्यसन, वैश्यावृति, आत्महत्या एवम् आतंकवाद के कारणों एवम् दृष्परिणामों से भली–भांति अवगत होते हैं ।
4. दण्ड क्या है, दण्ड के उद्देश्य, दण्ड के प्रकार सिद्धांत एवम् महत्व से भी छात्र भली–भांति परिचित होते हैं ।

Sushila

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र

भारतीय समाज का सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य

1. इसके अन्तर्गत छात्र समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य एवम् प्रमुख समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण जैसे – जी.एस. घुरिये का आदर्शवादी दृष्टिकोण, एम.के. गांधी के सत्य व अहिंसावादी दृष्टिकोण से भली–भांति परिचित होते हैं ।
2. एम.एन. श्रीनिवास का संरचनात्मक प्रकार्यात्मक दृष्टिकोण, एस.सी. दुबे का संरचनात्मक प्रकार्यात्मक विश्लेषण एवम् संस्कृतीकरण की अवधारणा से छात्र अवगत होते हैं ।
3. मार्क्सवादी विचारधारा, संघर्ष का मार्क्सवादी दृष्टिकोण, डी.पी. मुखर्जी, ए.आर. देसाई एवम् राधाकमल मुखर्जी के विचारों से छात्र परिचित होते हैं ।
4. इसके अन्तर्गत छात्र भारतीय समाज का इरावर्ती कर्वे एवम् एन.एस. शाह के द्वारा विश्लेषण का ज्ञान प्राप्त करते हैं ।

द्वितीय प्रश्न पत्र

भारत में उद्योग एवम् समाज

1. इसके अध्ययन से छात्र औद्योगिक नियोजन से परिचित होते हैं । मानव शक्ति का महत्व एवम् उद्योग में किसी भी प्रकार की दुर्घटना होने पर सुरक्षा, मुआवजा के बारे में ज्ञान प्राप्त करते हैं ।
2. उद्योगों में नेतृत्व एवम् भारत में श्रम आन्दोलन के महत्व से छात्र अवगत होते हैं ।
3. श्रम संघ क्या हैं, उनके कार्य, भारत में श्रम कल्याण कार्य, सामाजिक सुरक्षा एवम् औद्योगिक आवास के सम्बन्ध में छात्र ज्ञान प्राप्त करते हैं ।
4. औद्योगिक श्रमिकों की ऋणग्रस्तता, कारण, परिणाम महिला एवम् बालश्रम तथा सामुहिक सौदेबाजी से छात्र परिचित होते हैं ।

Sushila

तृतीय प्रश्न पत्र
भारत की सामाजिक जनांकिकी

1. इसके अध्ययन से छात्र जनसंख्या की संरचना, भारत में परिवार नियोजन की आवश्यकता, स्वास्थ्य सेवाएँ, स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारक एवम् सुधार हेतु सुझावों के अध्ययन से छात्र अवगत होते हैं ।
2. जनसंख्या का अर्थ, विशेषताएँ, उद्देश्य एवम् महत्व से छात्र परिचित होते हैं ।
3. भारत में जनगणना, जनसंख्या संरचना तथा भारत में जनसंख्या नीति से भी छात्र भली–भांति अवगत होते हैं ।
4. भारतीय जनसंख्या के आर्थिक पहलुओं से सामाजिक परिवर्तन में जनसंख्या की भूमिका तथा विश्व जनसंख्या के सम्बन्ध में छात्र जानकारी प्राप्त करते हैं ।

चतुर्थ प्रश्न पत्र
अपराध शास्त्र और सुधारात्मक संस्थाएँ

1. इसके अन्तर्गत छात्र अपराधियों को सुधार के प्रकार, महत्व, जेल में चलाये जा रहे सुधार कार्यक्रम, जेल की समस्यायें, मानवाधिकार तथा जेल प्रबंधन की जानकारी प्राप्त करते हैं ।
2. परिवीक्षा क्या है, पैरोल क्या है, खुली जेल एवम् जेल के समाजशास्त्र से छात्र अवगत होते हैं ।
3. भारत में अपराधियों को सुधारने हेतु पुलिस और न्यायपालिका की भूमिका, पुलिस के कार्यों से भी छात्र परिचित होते हैं ।
4. उत्तर संरक्षण कार्यक्रम है और छत्तीसगढ़ में उनका किस रूप में प्रयोग हो रहा है, इसके बारे में छात्र जानकारी प्राप्त करते हैं ।

Sushila